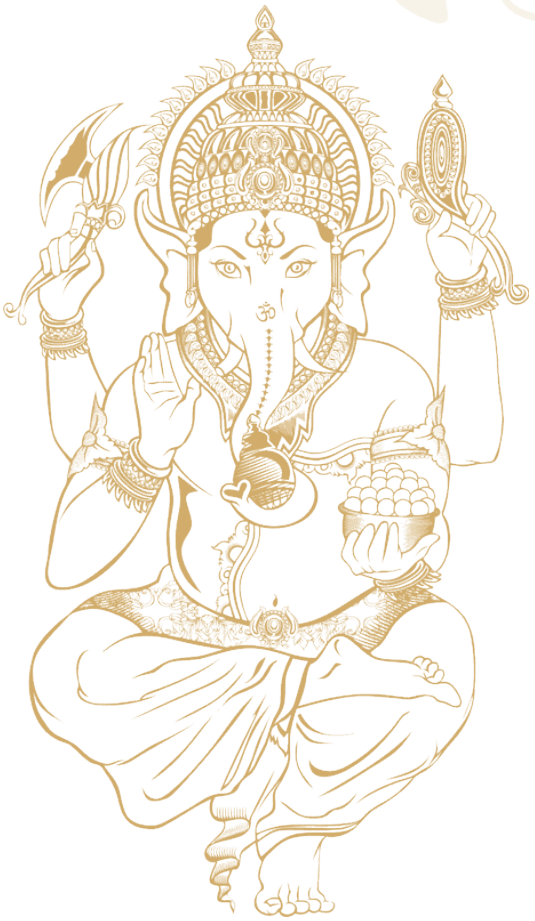

Girl

31 Jan 2026

09:49 AM

Ayodhya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121173002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:49:00 घंटे**
इष्ट	07:34:18 घटी
स्थान	**Ayodhya**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:47:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:24 घंटे
साम्पातिक काल	18:29:26 घंटे
सूर्योदय	06:47:16 घंटे
सूर्यास्त	17:42:18 घंटे
दिनमान	10:55:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:04:09 मकर
लग्न के अंश	16:00:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:00:55	499:08:46	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मक	17:04:09	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	23:50:56	14:30:16	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	11:51:46	00:46:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध		अ	मक	23:48:13	01:45:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:13:45	00:06:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	22:55:31	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	04:20:13	00:05:51	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:57:01	00:04:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:57:01	00:04:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:35	00:00:12	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:53:38	00:01:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:26:51	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	12:32:04	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

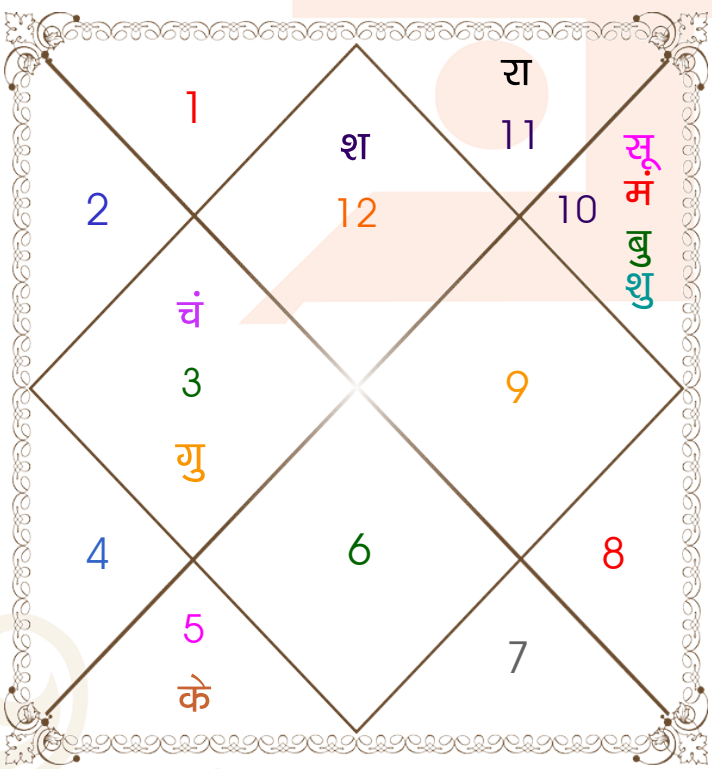

चन्द्र कुंडली

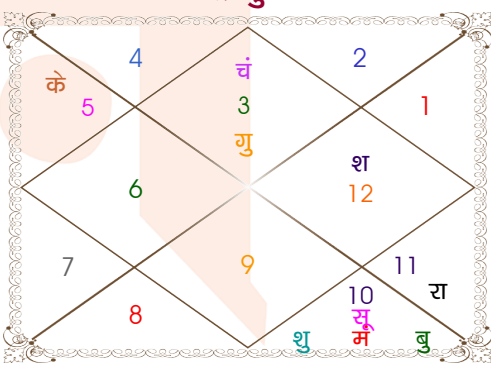

नवमांश कुंडली

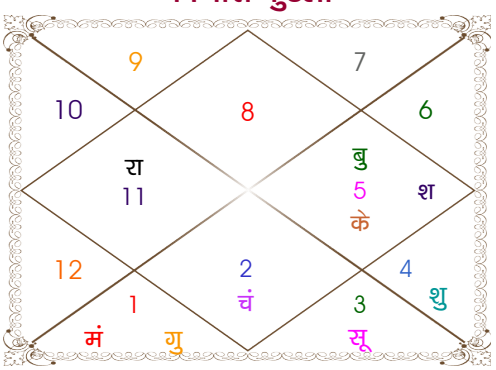

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 4 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/01/2026		19/06/2037		19/06/2056		19/06/2073		19/06/2080	
19/06/2037		19/06/2056		19/06/2073		19/06/2080		20/06/2100	
	31/01/2026	शनि	22/06/2040	बुध	15/11/2058	केतु	15/11/2073	शुक्र	19/10/2083
शनि	17/02/2026	बुध	02/03/2043	केतु	13/11/2059	शुक्र	15/01/2075	सूर्य	18/10/2084
बुध	25/05/2028	केतु	10/04/2044	शुक्र	12/09/2062	सूर्य	23/05/2075	चंद्र	19/06/2086
केतु	01/05/2029	शुक्र	10/06/2047	सूर्य	20/07/2063	चंद्र	22/12/2075	मंगल	19/08/2087
शुक्र	31/12/2031	सूर्य	22/05/2048	चंद्र	18/12/2064	मंगल	19/05/2076	राहु	19/08/2090
सूर्य	18/10/2032	चंद्र	22/12/2049	मंगल	15/12/2065	राहु	07/06/2077	गुरु	19/04/2093
चंद्र	17/02/2034	मंगल	30/01/2051	राहु	04/07/2068	गुरु	14/05/2078	शनि	19/06/2096
मंगल	24/01/2035	राहु	06/12/2053	गुरु	10/10/2070	शनि	22/06/2079	बुध	20/04/2099
राहु	19/06/2037	गुरु	19/06/2056	शनि	19/06/2073	बुध	19/06/2080	केतु	20/06/2100

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/06/2100		20/06/2106		20/06/2116		20/06/2123		20/06/2141	
20/06/2106		20/06/2116		20/06/2123		20/06/2141		00/00/0000	
सूर्य	07/10/2100	चंद्र	21/04/2107	मंगल	16/11/2116	राहु	03/03/2126	गुरु	08/08/2143
चंद्र	08/04/2101	मंगल	20/11/2107	राहु	04/12/2117	गुरु	26/07/2128	शनि	01/02/2146
मंगल	14/08/2101	राहु	20/05/2109	गुरु	10/11/2118	शनि	02/06/2131		00/00/0000
राहु	08/07/2102	गुरु	19/09/2110	शनि	20/12/2119	बुध	20/12/2133		00/00/0000
गुरु	27/04/2103	शनि	20/04/2112	बुध	16/12/2120	केतु	07/01/2135		00/00/0000
शनि	08/04/2104	बुध	19/09/2113	केतु	14/05/2121	शुक्र	07/01/2138		00/00/0000
बुध	12/02/2105	केतु	20/04/2114	शुक्र	15/07/2122	सूर्य	02/12/2138		00/00/0000
केतु	20/06/2105	शुक्र	20/12/2115	सूर्य	19/11/2122	चंद्र	01/06/2140		00/00/0000
शुक्र	20/06/2106	सूर्य	20/06/2116	चंद्र	20/06/2123	मंगल	20/06/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।